बरवाअड्डा बानार

द्वितीय वर्ष

बिनोद बिहारी महतो (1923–1991)

सम्पादकः– पतित पावन महतो

BVP-1865

8/9.
4/1/18

INT: 4557.

बरवाअड्डा बानार

सत्तर दशक जब मैंने उच्चमाध्यमिक पास किया। उसी समय विनाद बिहारी महतो का नाम सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सुना था। उस्सी दशक मे–शिवाजी समाज सनत सॉताल समाज एकीकृत होकर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा का गठन हुआ और बंगाल बिहार उड़िसा तक पहुँचा। उस समय तक बी.एस.सी. पास करके बी.एड. के लिए कलकत्ता रामकृष्ण मिशन चले गये। पढ़ाई खत्म होने तक झारखण्ड मुक्ति मोर्चा राजनैतिक सवूज विप्लव के रूप में झारखण्ड अलग राज्य गठन के मिशन बने। मैं भी इस आन्दोलन में कूद पड़ा। मन में विनोद बिहारी महतो के प्रति जो भावना थी एक आदर्श बन गया। यह संयोग कहिए वार्तालाप में एक विद्यालय मन्दाकिनी का नाम आया। भरपूर जीवन मे एक साथ बहुत सारे सपने देखने लगा और सिन्दरी चास रोड में केडर मिटिंग के बाद सीधे धनबाद आए। ''झारखण्ड मुक्ति मोर्चा'' बाबु के ऑफिस मे रहने लगे।

बहुत दिन बीत गया। बाबू **18** दिसम्बर **1991** को दिल्ली संसद मे हृदय रोग के कारण और लौटकर नही आये। हमलोग टुअर/अनाथ बन गये साथ मे सारा सपना चुर हो गया।

बिनोद बिहारी का आदर्श को संग्लनकर आज तक मन्दाकिनी मे स्कूल मे रह गये। जीवन का सारा समय बीत गया। झड़झंझाट–उथल–पुथल, सुख–दुखः सभी को साथ लेकर जीवन का अन्तिम छोर पर खड़े है।

रास्ता का नया मोड़ अचानक मोड़ा और मन्दाकिनी का सभी प्रकार का दायित्व मुझपर आ पड़ा।

फिर से पुराना दिन का सपना एक साथ जांगृत हो गया। कुछ करने की तमन्ना जगी। किन्तु परिस्थिति को संभालते छह मास बीत गया। और नया जोश से काम शुरू किये ''बरवाअड्डा बानार'' का द्वितीय वर्ष का विमोचन का सम्पादकीय लिखना था। नहीं लिखकर अपना भावुक कथा लिख दिये।

पतित पावन महतो

सम्पादक

झारखण्डेक बापू बिनोद बाबु

वापु साड़ाटाक हिन्दी आर संसकिरितें कहत पितामह। भारतेक इतिहासे एहे पिता मह गिलाक उपर चाइरअ युगेक बेजाञ गर विचार हेलाहेक। सवाइ जानिहा जे, महाभारतेक राजा सानतअनु माछ कनिआक रूपे मोहित हेइके अके विहा करेलाइ आरि गुरि जखन हेलाक, तखन केनिआएक बापे राजा के कहलेक जे ''हामर बेटिक बेटा के राजा करले हामि बेटी देवो निहितअ निहि देवो। आर भाभि देखे तर बेटा देववरत आहो। एहे कथाञ राजा मनेक दु:खेई रहें हेलाक। बाप के एहे विपद बाचाउए लाई बेटिक बाप के कहलेक '' हामि जीवने बिहाइ करब निहि आर राजाउ हेअब निहि, तञ हामर बाप के बेटि दिहिन। तखन राजाञ अकें विहा करि खुसि हेलाक। राजाक बेटा हेइकेउ राजा निहि हेलाक। निजेक जिनगनि हार खार करिके वापके खुसि करलेक बादे उकर नाम हेलेक भीषमअ आर महाभारते अकर नाम हेलेक पितामह, जेसन हामराक झारखनडेक पितामह बिनोद बाबु। एतेक बड़अ तेआग दुनिआक बहुत कम लकेइ करे पारअत। अहे पितामह गटे जिबन आपन नाति नातनि आर कुरू पानडव गुसटिके सहि दिशा देहके आन जिनगानि विताउ रहइ, मेनतुक अहे पितामह करे जिनगानिक आखरि तक सुख सानति निहि पाउरहक अकरे नाति अरजुनेक बाने (काड़े) मरअ रहइ।

हालेक युगे भारतेक पितामह (बापु) गानधिक जिनगानिउ महाभारतेक पितामह निअरे हेलाहेक। देशेकेरे लक नाथुरामे बिना दसेइ गुलिकर मारि देलेक अभाग गानधिञ साधिन देशटाउ देखे निहि पाउलाक। गटे जिगानि अंगरेजेक संगे लड़लाक, आर भारत साधिन करलाक, मेनतुक अखिरे अहे दशा हेलेक। भारतेक लके अकर उपर बेजाञ गर विचार कला। गटे देशेक लकेक उबगार करिगेलाक मेनतुक देशेक लकेइ मारलथिक जाके कहथिक ''उपगारिके वाटे मारअइ''। अहटाइ कि पितामह गानधिक पाउना हेकलेक? देशेक लकेक दु:ख देखि गटे जिबन एकेटा लुगाञ दिन गुजरान करल रहइ। अंगरेजें कहे तेलथिक (Naked Fakir) माने नांगटा फकिर। वेरिसटार (Barister) हेके गरिव नेहे। देशेक दु:खे अकर अनतर फाटे हेंलेक अहे

लकटाके देशेक लके निहि चिनहे पारअ रहथिक।

झाड़खनडेक पितामह बिनोद बाबु दयाउ भिषमअ आर गानधिक निओरेइ हेलाहेक। बिनोद बाबु छाड़ा झाड़खनड भिनु राइज निहि बनेतेलेक, इ कथाटा सभे लके जानअत। कइलकाताक एगअ लेखके अंगरेजञ लेखरहइ जे, (If there would have no Binod Mahato, There would have no separate Jharkhand) अकर माने बिनोद बाबु जदि निहि रहेतेलाक त झाड़खंड राइज निहि बने तेलेक। विनोद बाबुक दरून कतेक लक आज राजा हेइ सनाक थाले भात खाहात आर राज महले सुतअहत। उड़ा गाडिञ चापि देश विदेश घुरि बुलहत, मेनतुक पितामह बिनोद बाबु के विसरि गेलथिक। बाबुक जनम, मरन दिनटाकरों हुंस दिशा नेहि राखहत। गटे जिवन लड़ाइकइ झाड़खनडेक लकेक उपगार करला, मेनतुक सभे–लके बेइमानि करला अकर नामे ना हेलेक इसकुल, ना हेलेक कलेज आर ना हेलेक इउनिभारसिटि, एसन किना एकटा डहरो नाइ धनबाइदे अकर नामे: धानबाइदे उकर कांहु ठांइ नाई। बाहरेक दिकु निखा इटाक सभेठिन ठांइ पाउला मेनतुक बिनाद बाबु के ठांइ निहि हेलेक। बहुत कलह कचइ टु, एकठिन जेनामेना ठांइ पाउलाहै, सेटाउ नाइएक पाराइ। झाड़खनडेक सभेपुत्र आज कुथुत हेइ बाबु के विसरलथिक। एहे हेलो झाड़खनडे पितामहक दशा।

हामर आशा, बिनोद बाबु घुरि अउए आर हामराके हुंस दिसा दें। घुरि आउए बाबु आर कहें ''पड़हो आर लड़हो'' इ जनमे तअ बाबु हमार लिसन कुपुते मानभरम नेहि करे पाउलिए, यदि घुरि जनमे हुंस दिशा हेुअइ तअ तर सेहरन कइ तर पाउना टुकु भेटाई देवों। एहे हामर आशा।

तरकुपुत
जतिलाल महतो
सारइढेला, धानबाइद

देवब्रत गोराई (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

''विज्ञान का चमत्कार''

देखों विज्ञान का यह चमत्कार आया
कम्प्यूटर, इंटरनेट और सेलफोन लाया
मानव के मध्य दूरियां मिटाया
ऑफिस और पढ़ाई को आसान बनाया
Pslv और Gslv ने तो
चॉद तारों और अंतरिक्ष पर विजय दिलाया
टेस्ट ट्यूब बेबी प्रणाली है आया
सुनी माताओं की कोख फिर से मुसकाया
देखो विज्ञान का चमत्कार आया
फिंगरप्रिंटिग और लाई डिटेक्टर ने तो
अपराधियों को खूब सताया
चिकित्सा की नई–नई तकनीक है लाया
जटील बीमारियों को दूर भगाया
अब युग है बायोटेक्नोलॉजी ओर नैनोटेक्नोलॉजी
जो लाइफ कर देगें और भी इजी।।

With Best Compliments From:-

KUSHWAHA MOBILE CENTRE & REPAIRING

DEALS IN ALL TYPES OF MOBILE HANDSET, RECHARGE COUPAN ETC.

TATA indicom | ex-cel | RELIANCE Mobile | Airtel
smart | LG | NOKIA | MOTOROLA

G.T. ROAD BARWADDA, DHANBAD (JHARKHAND)

Prop. *NIRANJAN KUMAR*

9693747051

"झारखण्ड राज्य मिला, राज नही"

झारखण्ड राज्य निर्माण में यहाँ के गरीब किसान, मजदुर का अहम भुमिका रहा । जिस शोषित पिड़ित झारखण्ड का कल्पना भुतपूर्व सांसद क0 ए0 के0 रॉय, झारखण्ड पितामह भुतपूर्व सांसद क0 स्व0 विनोद बिहारी महतो, सांसद शिबु सोरेन सोच से लड़ाई लड़ी गई। शोषण भिन्न राज के राज्य मिला राज नही, गॉव में स्कूल है शिक्षक नही, उपकेन्द्र है डॉक्टर नही, जोरिया में चेक डेम सिचाई के निर्माण हुआ पानी, गॉव में सड़क नहीं, गॉव में नवयुवक के लिए ठोस रोजगार नही, जन प्रतिनिधि, विधायक, सांसद उनके कार्यकर्त्ता का विकास हुआ है जिनके घर में एक बैलगाडी नहीं था। आज उनके घर में 10 लाख से अधिक मूल्य कि गाड़ीया लगी रहती है। किसानों कि जमीन सत्ताधारी झण्डो के तले और सरकारी ऑफसरों द्वारा जमीन लूटा जा रहा है। मन्दाकिनी उच्च विद्यालय के निर्माण में स्व0 विनोद बिहारी महतो, क0 आनन्द महतो (पूर्व विधायक) और यहाँ के आम जन्ताओं का काफी योगदान रहा । इसके बाद मन्दाकिनी उच्च विद्यालय में एक भी ईटा नही जोड़ा गया है।

आज विनोद बिहारी महतो के पुण्यतिथि पर आगे कि लड़ाई झारखण्ड राज्य के भ्रष्टाचार्य राज के विरोध में एक नई लड़ाई लड़नी है और सुनहारा झारखण्ड बनाना है।

गणेश प्र० चौरसिया
पंचायत समिति सदस्य
दामकड़ा बरवा पंचायत (गोविन्दपुर)

With Best Compliments From:-

Mobile : 9939580833

VISHWAKARMA & VISHWAKARMA SAW MILL

ALL KINDS OF TIMBER MERCHANT AND GENERAL ORDER SUPPLIER

BARA JAMUA, TUNDI ROAD, BARWA-ADDA

P.O. : KALYANPUR - 826 004, DHANBAD (JHARKHAND)

कुड़माली कुलेक कूल तिलक

बैद्यनाथ महतो

पूर्व मुखिया, कल्याणपुर पंचायत

आज से **50** बछर आगु बरवाअड्डा विरान था । आज हिन्दुस्तानेक आयात निर्यात का केन्द्र बना। उस समय बड़ाजमुआँ गाँव के अनपढ़ किसान जानकी महतो बरवाअड्डा का शिक्षाक प्रकाश जलाने के लिए मन्दाकिनी स्कूल में जमीन दिया, जो वर्तमान समय में सम्भव नही।

उन्ही का एक मात्र पुत्र बैद्यनाथ महतो **1947** में जन्म लिए । **1978** में पंचायत वोट में मुखिया निर्वाचित हुए। बहुत दिनो तक Vice-Chairman Bazar Samitee में बने रहे, गाँव का बना हुआ पीच रास्ता उन्ही की देन है। कटुभाषी जरूर थे। किन्तु सामाजिक कार्य में सबसे आगे थे। **20.7.2012** पृथ्वी लोक छोडकर चले गये। जिनका श्राद्धकर्म कुड़माली रीति रिवाज सारना धर्म के अनुसार हुआ जो समाज में आलोचना का चर्चा बना, भूरी - भूरी प्रशंसा मिली।

पी. पी. केसरियार
प्राचार्य मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय

करूणामयी महतो
एम.ए. कुड़माली

युगेक रूचि

धइनअ नारी तहराके जानि
नारी बिना संसार अधुरा मानि
अवाक लागई जखन देखि
नारी धरमअ शिक्षा मुकतिक सपनअ
लेइके लड़ अहत जाखरा आज
बिना लुगा फाटाक मडेल देखि
पाउअहत किना अखरा लाज
रामायने सीताक अग्नि परीक्षा पाताल प्रवेश
बेंजाय बिसुम कठोर समाज
महाभारते आखड़ ाक माझे दरपोदिक निरबसतअ
काँहा गेलेक बंषेक खुँटेक लिहाज
कलि युगे नारीजाति बाजरे बेचात
आधा लुगाँ पिंधि केसन देखाहात
बाहरे सइभअ समाज
भाभले केसन अबाक लागेई
देखले युगेक रूचि
लाज लइजा नारीक गहना
सभ जाहेक धवआइ।

प्रेरक प्रसंग (उपयोगिता)

एक धनपति था। वह नित्य हो एक घी का दीपक मंदिर में रख आता। दूसरा एक निर्धन व्यक्ति था। वह सरसो के दीपक जलाकर नित्य अपने गली में रख देता था। वह अंधेरी गली थी। जब दोनों मरकर यमलोक पहुँचे तो धनपति को निम्न श्रेणी की सुविधाएँ दी गयी और निर्धन व्यक्ति को उच्च श्रेणी की। यह व्यवस्था देखकर धनपति ने धर्मराज से पूछा– यह भेंद क्यों, जबकि मैं भगवान के मंदिर में दीपक जलाता था वह भी घी का। धर्मराज मुस्कुराए और बोले–पुण्य मूल्य के आधार पर होती है। मंदिर तो पहले से ही प्रकाशमान था। उस व्यक्ति ने ऐसे जगह पर प्रकाश फैलाया, जिससे हजारों व्यक्तियों ने लाभ उठाया। उसकी दीपक की उपयोगिता अधिक थी।

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

प्रेरक प्रसंग

एक बार एक युवक नदी के किनारे बैठकर पास पड़े, कंकड़ो को उठा–उठाकर नदीं में फेंक रहा था। उसके मन में करोड़पति बनने का ख्याल आ जा रहे थे।

पत्थर फेंकते–फेंकते जब एक पत्थर हाथ में रह गया तो उसकी तंद्रा भंग हुई। कंकड़ की तरफ उसका ध्यान गया तो वह हीरा निकला।

इस पर वह अफसोस करने लगा कि मैंने न जाने कितने ही हीरों को कंकड़ समझकर कल्पना के सागर में बहते हुए नदी में फेंक दिया। न जाने मेरी तरह कितने ही लोग कल्पना के प्रभाव में वर्त्तमान खो देते हैं। जबकि हमें वर्त्तमान में ही जीना चाहिए।

उस दिन से वह युवक वर्त्तमान में जीनें लगा। आगे चलकर वही युवक साहित्य रचनाकार स्वामी सत्यानंद सरस्वती के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

हास्य लेख; चुनावी भाषण

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

एक नेताजी अपने भाषाण में कह रहे थे; नेता तो मैं नही, नेता जो जवाहरलाल नेहरू थे, जो अपनी जेब में लाल गुलाब लगाते थे। गुलाब तीन तरह का होता है। लाल गुलाब, पीला और काला गुलाब। लाल गुलाब तो नेहरू जी अपने कोट में लगाते थे। पीला गुलाब लड़कियॉ अपने जुड़े मे लगाती है। काला गुलाब से गुलकन्द बनता है। गुलकन्द पेट के रोग की अचूक दवा है। खरबूज अपना रंग बदलता है। रंग तो छिपकलियाँ भी बदला करती है। द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी ने भी अपना रंग बदला था। युद्ध बड़े भयानक होते हैं। भयानक तो शेर भी होते है। एक सेर का दो मन होता है। मन बहुत चंचल होता है। चंचल मधुबाला की बहन थी। मधुवाला को दिल का रोग था। दिल एक मंदिर है। दक्षिण भारत मे हजारों मंदिर है। दक्षिण भारत के लोग बड़े वफादार होते है। वफादार तो कुत्ते भी होते है, पर उनकी पूँछ जरा टेढ़ी हाती है। तो श्रोतागण, उनकी पूँछ को सीधा करने हेतु हमें वोट करे।

M.G.M PUBLIC HIGH SCHOOL
Kandra Nh2
Classes- Nur to 10th
Principal- Hemlal Mahato

मो0 इस्लाम अंसारी
प्रखण्ड उपाध्यक्ष
झारखण्ड मुक्ति मोर्चा

कुड़माली नाटक

(हाँदा-भँदा)

पी. पी. केसरियार
प्राचार्य मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय

एंड़ि हुलकन

आपन आपन काँधे एकता भँट/पुटली आर हाँथे गामछा लेइके हाँदा-भँदा हिड़कई साहे आर आगुबाटे कनअ केरिआ रँगेक जानवर देखे पावइसाहे ।

ळाँदा- एरे भँदा देखेनअ माइरी इटा किना लागई ?

भँदा- काँहा

हाँदा- आगबाटे आगुआईसाहे

भँदा- (भालअ करि देखिके) इटा निहि चिनहे पारले, राजा धारके मुसा लागई बेसबेस खाइके मटा गेलाहे।

हाँदा- इटा कखनअ निहि हेवे पारेइक

भँदा- तबे तँइ कहे किना हेकेक ?

हाँदा- (नजर लागाई देखे लागलेइक) तँइ टाटका गाधा हेकिस, गरीब धारेक हाथी लागे। निहि खाइ पाइके सुखाई खेड़हअ हेंई गेलाहे।

भँदा- तँई तबे एक नमबरेक गाधा, उल्लुई राइते देखेई आर तँइ दिनेइ बेसी देखे पावले।

हाँदा- देखे भाई बिना सतलबेक लियाई लागिके किना हेतेक, गाधा, उल्लु, शुअर गाईर खावआ हेलि-चाले आगबाटे मुखिआक घार, अँसे बिचार करताक-

भँदा- ठिक आहेक चाले तबे-

ढड़ि हुलकन मुखिया घार

मुखिया आपन आँगनाई ईचाइटा गावेक लकेक सँगे। बसलाहे, आर बारह सतरह गाल फदड़अहत।

हाँदा भँदा हिड़कन

हाँदा-भँदा- मुखिआ खुड़हा घारे आईआ नअ ?

मुखिया- एहे बसँलाहँ भालअ भन्द फंदडेइह आवआ बसा। कँदे आज बेरा उठलके कामे निहि गेलेह-

हाँदा-भदा- (पहिले गड़ लागेहन) किना कहबे जे गाँइत कढाइर लेडके दुइअ कामेइ बाहराला, डहर धारके झुड़टाले किना बहरालके चिनहे निहि पारहत ढुइअ

लियाई लागि गेला। बिचारेक खातिर तरपासें आवलाइहिअ।

हाँदा- भालअ करिके नजर लागाई देंखेतअ तँई मुखिया लागिस तर कथाटा सचे मानतउ किना जीब लागई संगे बाँधिके लेले आनलिअ।

भँदा- नाई मुखिआ, हामर कथाटा टुएक सुनई साहे निहि मई कहलिअ राजा घारेक मुसा लागे बुड़बकटाँइ मानेइसाहे निहि, एबेर तँय बिचार करें किना लागे।

मुखिआ- अरे भुखरा चिलुमटि चापाई आनेतअ

भुखराक हिड़कन हाँथे चिलुम

मुड़कटा- किना खातिर डाकले बाबु ले चिलुमटाने

मुखिआ- (चिलुम टानिके) देखें तअ भुड़ककटा एहे जानवरटा किना लागे।

मुड़कटा- (देखिके) मुखिया बाबु हामर हामर छुटअ दिमाके कनहँनाई बुझाहेक तँई देखे-

मुखिया- उठिके भालअ करि देखिके

तहरा एक काम करा इटाके बाँधिके गाँवेक मुँडाई जे डभाटा आहेक नअ अहे टाँई छाड़िदेहाक- जदि देखबेहे डुविजाई तबे बुझबेहे वक हेकेक, आर जदि उड़ि जाई तबे जानबेहे काछिम हेकेक।

जा एकटा लेई जा

हाँदा-भँदा आरअ गावेक चारटा लक जड़अ हेला जानवरटाके लेइके वाहराला। गाँवेक मुड़ाई डभा पावला अहे डभाटाँई छाड़ि देलथिक- आसले उटा तअ सुअर रहलेक छाड़त खने डुबि गेलेक। सभे एक सँगे गुइल/गहाइर करे लागला आर पटके लागला डुबि गेलिरे डुबि गेलि वक लागेई...........

झारखण्ड पब्लिक स्कूल

तमसो माँ ज्योतिर्गमय
JPS
ESTD 2001

NUR से IX (नवम्) तक

बड़ा जमुआँ, बरवाअड्डा, धनबाद (झारखण्ड)

देवब्रत गोराई (स० शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

''भारत का भविष्य''

भारत का भविष्य
युवाओं के कंधो पर।
जो पाश्चात्य का कहते हैं अंधानुकरण
नशा करना समझते हैं फैशन
और कहते है हम हैं मॉडर्न''
भूल रहे हैं ये,
अपनों और गुरूजनों का मान
छोटी सी असफलता पर
दे देते हैं अपनी जान
पढ़ाई–छोड़ करते है प्रेम प्रसंग
बड़े होकर मा–बाप को भेजते हैं वृद्धाश्रम
आओ उचित शिक्षा का दीपक जलाए
भटके हुए भविष्य के
नैतिकता सच्चरित्रता और मानसिकता को दृढ़ बनाए
ये ही लाएँगे देश में भ्रष्टाचार मुक्त क्रांति
तभी आएगी देश और समाज में
सुख–समृद्धि और शाति

With Best Compliments From:-

Remesh Pd. Mahato

Mobile : 9431723863
9386293745

JHARKHAND U.P LORRY BROKER

G.T. Road, Barwadda, Dhanbad, Jharkhand

''सिंघाल चोर गोबिन्दा''

पूरना दिनेक कथा हैकेक पॉड़का गॉवे एक घारे चौर सिंध कारिट ढुकुलाहात ।चार चौरेक एक एक गो का नाम गोविन्दा।घारे उदिन महिस दुधेक, फेनसा घाटा (खीर) बनलरहेक।

रातिक खावन–दावन–बासन–कसन–धवन–धावन करिके वेश राईत हेलेक, तखन जेनिटि रॉधा घारे खाटि टा विछाई के सुतली।चर निखा बाड़ी बाटे सिंध काटिक ढुकला।जेई जेटा पावहत समटे लागला।

गोबिन्दा देखे पावलेक चूलहाक उपरे वनल आहेक खीर गरमे आहेक । जेनिटि निदाले करवट लेली तखन गोबिन्दा बुझलाक खीर खोजेईसाही कहलेक थामें टुवेक बादे देबअ एक टुम बादे जेनिटि इपास–उपास हेली मुँहे नाखे निकासे के शबद हेलेक। गोबिन्दाक मने किना हेलेक एक चाटु गरम खीर मुँहटाई देलेक। जनि तो आँचकाई उठली गुइल करेलागली चर–चर घारेक आस–पड़स सभे जागी उठला बतर बुझी चर निखा जई जाहाँ परला डुकला गोबिन्दा साँघा उपरे सुगुममारी रहला ।बाकी पाढ़नतरे डूकला सभे जड़अ हेके देखला जेनिटिक मुँहे खीर लागलहेक निदाई के खीर खाईस आर चर–चर गागाईस तखन जेनिटि किरा खाईक कहलेक माईरी खीर नही खायो उपरे गोबिन्दा सब जानों

उपरे गोबिन्दा सोचलाक मई तो धोराई गेलियों नीचु नाभी के कहलेक गोबिन्दा जानय सब आर पाढ़नतरे जाखरा छिपाई आहात अखरा कुछू नही एके एके सब चर धोराई गेला।

पी. पी. केसरियार
प्राचार्य मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय

With Best Compliments From:- 9031811957

DIGITAL STUDIO MONALISA

STILL, VIDEO PHOTOGRAPHY

Tundi Road, Barwadda, P.O.- Kalyanpur
Dhanbad (Jharkhand)

सज्जनों बिखरते रहो

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

गुरूनानक देव जी अपनी यात्रा के दौरान एक गॉव में पहुँचे। वहॉ के निवासी आपस में लड़ते झगड़ते रहते थे। उन्होंने गुरूजी से भी अच्छा व्यवहार नहीं किया। गुरूजी ने उन्हें आशीर्वाद दिया '' खूब समृद्ध बनों, तुमलोग युग–युग तक इसी गॉव में रहो'' आगे चलने पर एक गॉव और मिला। इस गॉव के निवासी बड़े प्रेमपूर्वक रहते थे, उन्होंने गुरूजी का बड़ा सत्कार किया। उस गॉव के वासियों को गुरूजी ने आशीर्वाद देते हुए कहा ''तुमलोग इस गाँव को छोड़कर इधर–उधर बिखर जाओ''।

मरदाना गुरूनानक देवजी के प्रिय शिष्य थे। उन्होंने आश्चर्य से पूछा '' आपने पहले गाँव के लोगो को समृद्धि का आशीर्वाद क्यों दिया जबकि वे इस योग्य नहीं थे और दूसरे गाँव के अच्छे भले लोगों को बिखर जाने को क्यों कहा?

गुरूजी मुस्कुराए और कहा ''झगड़ालू जहाँ जायेंगें वहाँ झगड़ा ही करेंगे। इसलिए उसने अपने गाँव में रहने को कहा, लेकिन शिष्ट लोग जहाँ भी जायेंगे वहाँ अपनी अच्छाईयों को विखेरेंगें।

नव वर्ष की आर्दिक शुभ कामनाएँ:– 9470157441

सहेली श्रृंगार
एवं
सहेली लेडिज ब्युटी पार्लर

टुण्डी रोड, लोहर बरवा, बरवाअड्डा, धनबाद (झारखण्ड)

माध्यमिक परीक्षा

बीणापाणि महतो
मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय
वर्ग- दशम्

मँई ईवछर माध्यमिक परीक्षा देबेंइ
बापे चाइरटा मांसटारेक प्राईभेट देलाहे
अंक, अंग्रजी, विज्ञान आर समाज
अंग्रजीक अझबज अकें अकंअ गोल
विज्ञाने विज्ञान मासटर करेइ गनडअ गोल
डागर डागर ज्ञाने मगज घुरि लागई
आवते जाते समय फुराई
घुरि पढ़ेक मन लागई नाई
टुमे टुमे बापे गारी देई
मनटा जाय कसि - विसाई
कैसे पड़हा हेतेक बुझि पारा दाय
बिहान साँइझे सरसतीके मेहनाई
पार घाट करि दे माध्यमिक पड़हाँई
जेसन पास हेवआ चाय।
लटपटअ जदि केसउ करिके पारकरिअ
बाप मायेक मुराद पुरतेक गाइर (गाली) खाब नाई ।।

With Best Compliments From:-

RAJENDRA KUMAR MONDAL

C.M'S Club Member

!!अध्यक्ष!!
"झारखण्ड सुड़ी युवा समिति" धनबाद

Present Address :
At:- Barwadda, P.o:- Kalyanpur
Via:- I.S.M, Dist:- Dhanbad, Pin No.:- 826004

Mobile : 9430772546, 9973842515

बरवाअड्डा बानार का द्वितीय वर्ष

विनोद बिहारी महतो

के 22 वॉ पुण्यतिथि

पर विमोचन हो रहा है।

यह एक साहित्यिक वार्षिक पत्रिका है।

[redacted] राजकिशोर महतो

अध्यक्ष:
झारखण्ड राज्य विवि ओयोग

सचिव:
मन्दाकिनी उच्च विद्यालय, बड़ाजमआँ

बीणापाणि महतो
मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय
वर्ग- दशम्

"पढ़हा"

रबिवार छुटिंक दिन पढ़हे मन नि लागेई
गटा दिन खेलि खेलि दिन बितेई
सोमबार सचतेइ लागिजाई
मंगले अमगंल भावना ठुकि जाई
बुधे बुधि भ्रष्ट बिषुम विराट
लकखीवारे लेखापड़हा लकखी माता रूसि जाई
सुकुरबारे सुखिमने देखि T.V हामता भरेक सिनेमा
शनिवार शनि गरह लेखा पड़हाक
मने गुमरि ठुकि आई
एहे जदि हापता दिनेक हापता चलई
क्हें मास्टर कखन हामर
पड़हेक समय रहेई।

With Best Compliments From;-

ACC

Lalu Pr. Mahato

OM ENTERPRISES

Tundi Road, Lohar Barwa, Barwadda
Dhanbad (Jharkhand)
Mobile :9204645930

Mistakes

When a barber makes a mistake
- Its a new hair style.
When a tailor makes a mistake
- Its a new fashion.
When a doctor makes a mistake
- Its a new operation.
When a scientist makes a mistake
- Its a new creation
When a teacher makes a mistake
- Its new revolution
But when student makes a mistake
- Its mistakes-mistakes only mistake

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

SHAHID AJIJ

M.Tech- Electronic & Communication
Wright Brothers aeronautical engineering

With Best Compliments From:- ✆ 9471113248

BIMAL STUDIO

STILL, VIDEO PHOTOGRAPHY
MOCHAN MARKET, Tundi Road, Barwadda, Dhanbad (Jharkhand)

With Best Compliments From:- ✆ 8271136767

UJJWAL PRINTERS

Offset Printing, Flax Printing, Calendar, Dairy & All kinds of Job Printing.
Tundi Road, Barwadda, Dhanbad (Jharkhand)

तबांही

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

सुबह तबाह है नींद से,
चिड़िया तबाह है पिन्ड से,
सच तबाह है झूठ से,
भारत तबाह है लूट से,
इंसान तबाह है कर्म से,
मेघ तबाह है प्यीयोरस से,
भारत तबाह है भारी से,
नर तबाह है नारी से,
विज्ञान तबाह है खोज से,
युवा तबाह है मौज से,
जूता तबाह है सोल से,
साड़ी तबाह है फॉल से,
पौधा तबाह है खाद से,
हम तबाह है आतंकवाद से,

With Best Compliments From:-

8797786756
8252871256

GIRIDHARI VIDEO

STILL, VIDEO PHOTOGRAPHY, ALL DESIGNING & PRINTING

Barajamua, Barwadda, P.O.- Kalyanpur
Dhanbad (Jharkhand)

तबांही

विरेश्वर प्र0 लाला (स0 शिक्षक)
मन्दाकिनी हाई स्कूल, बड़ाजमुआँ

सुबह तबाह है नींद से,
चिड़िया तबाह है पिन्ड से,
सच तबाह है झूठ से,
भारत तबाह है लूट से,
इंसान तबाह है कर्म से,
मेघ तबाह है प्यीयोरस से,
भारत तबाह है भारी से,
नर तबाह है नारी से,
विज्ञान तबाह है खोज से,
युवा तबाह है मौज से,
जूता तबाह है सोल से,
साड़ी तबाह है फॉल से,
पौधा तबाह है खाद से,
हम तबाह है आतंकवाद से,

With Best Compliments From:-

8797786756
8252871256

GIRIDHARI VIDEO

STILL, VIDEO PHOTOGRAPHY, ALL DESIGNING & PRINTING

Barajamua, Barwadda, P.O.- Kalyanpur
Dhanbad (Jharkhand)

पी. पी. केसरियार
प्राचार्य मन्दाकिनी उच्च, विद्यालय

लेखक का अन्य कृतियाँ

1. "बिहान" (कुड़माली कविता)
2. "दिवकार" (कुड़माली काव्य)
3. कुड़माली के कवि एवं काव्य (अप्रकाशित)
4. कुड़मालि चारी (प्रकाशित)
5. कुड़माली मांगर (प्रकाशित)
6. कुड़मी कुलेक कुलअ तिलक (अप्रकाशित)
7. कुड़माली शब्द कूघि

Printed By :

GIRIDHARI COMPUTER PRINT

Barajamua, Barwadda, Dhanbad (Jharkhand)

Mob : 8797786756, 8252871256